Sl. No.	Location		Capacity (in tonnes)
1	Dharamkot	Himachal Pradesh	66,000
2	Lumpshnong	Meghalaya	66,000
3	Garampani	Assam	66,000

Five letters of intent have been granted to Rajasthan State Industrial and Mineral Development Corporation, Jaipur.

1. Jaiteran, Dt. Pali . . . 33,000
2. Bilera, Dt. Jodhpur . . 33,000
3. Kotputli, Dt. Jaipur . . 33,000
4. Abrol Akhva, Dt. Sirohi . . . 33,000
5. Nim-Ka Thana, Dt. Sikar . 33,000

D.G.T.D. has registered one mini cement plant scheme of Orissa State Industrial Development Corporation.

1. Kiringsera, Dt. Sundergarh 33,000

The gestation period for setting up of mini cement plant would be about 2-3 years.

जिला उद्योग केन्द्रों की स्थापना — के कार्य में प्रगति

2359 श्री रामानन्द तिवारी :
श्री के0 लक्कप्पा :
श्री माधव राव सिंधया :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1979 में कितने जिला उद्योग केन्द्रों की स्थापना करने का प्रस्ताव है ;

(ख) क्या यह सच है कि लक्ष्यों की तुलना में प्रगति की गति धीमी है; और

(ग) यदि हां, तो इस के क्या कारण हैं, और इस बारे में क्या उपचारात्मक कार्यवाही की जा रही है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) आगामी वित्तीय वर्ष में देश में सभी जिलों को प्राथमिकता क्रम के जिला उद्योग केन्द्र कार्यक्रम के अधीन शामिल कर लिये जाने का प्रस्ताव है ।

(ख) कार्यक्रम के प्राथमिकता क्रियान्वयन को देखते हुए प्रगति संतोषजनक हुई है । दिसम्बर, 1978 के अन्त तक विद्यमान जिला उद्योग केन्द्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पता चलता है कि सूचना देने वाले जिला उद्योग केन्द्रों ने विभिन्न प्रकार की सहायता के लिए 36,288 उद्यमियों का पता लगाया गया है । 9,790 परियोजनाओं की विषय रूपरेखा तयार की गई है और इसके परिणामस्वरूप विकेन्द्रीकृत औद्योगिक क्षेत्र में 22,804 एकक स्थापित किये गये है जिसमें करीब 30 प्रतिशत लघु एकक हैं । सूचना देने वाले जिला उद्योग केन्द्रों में जिन एककों का अनन्तिम अथवा स्थायी पंजीकरण किया गया है, उनकी कुल संख्या 30.012 है और इन जिला उद्योग केन्द्रों में औद्योगिक गतिविधियों के बढ़ जाने से अब तक 79,771 अतिरिक्त व्यक्तियों को रोजगार मिला है ।

(ग) जिला, राज्य, क्षेत्रीय तथा केन्द्रीय स्तर पर विभिन्न समितियों द्वारा जिला उद्योग केन्द्र कार्यक्रम तथा उनके द्वारा किये जा रहे कार्य का समय समय पर निरीक्षण तथा समीक्षा की जा रही है । जिला उद्योग केन्द्रों के अधिकारियों को प्रशिक्षण देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं, और प्रत्येक जिला उद्योग केन्द्र के लिए एक कार्य सम्बन्धी कार्यक्रम तयार किया जा रहा है तथा जिला उद्योग केन्द्र, एकीकृत ग्रामीण विकास खण्ड व विकेन्द्रीकृत क्षेत्र के अभिकरणों के बीच सम्पर्क स्थापित किया जा रहा है ।

आय वितरण में असमानता

2360. श्री रामानन्द तिवारी : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत 30 वर्षों में आय वितरण में असमानता बढ़ी है ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में आंकड़े क्या हैं ;